>

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): माननीय सभापति महोदय, गुजरात और राष्ट्रीय राजमार्ग सम्बन्धित इस महत्वपूर्ण मुद्दे को शून्यकाल में उठाने की अनुमति देने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

गुजरात में बड़ोदरा और सूरत के बीच 6 लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा इस राजमार्ग का प्रयोग करने वालों को काफी राहत मिली है। इसके बावजूद मैं एक महत्वपूर्ण समस्या पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। समस्या इस 6 लेन वाले राजमार्ग के यातायात संचालन को लेकर है। इस 6 लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का समस्त यातायात नर्मदा नदी पर बने दो लेन वाले पुल से संचालित होता है, जो कि बहुत पुराना तथा जर्जर हालत में है। नर्मदा नदी पर बने इस दो लेन वाले पुराने पुल से यातायात का संचालन ठीक से नहीं हो पाने के कारण अक्सर यात्रियों को ट्रैफिक जाम में घंटों फंसे रहना पड़ता है, जिससे यात्रियों को बहुत कठिनाई होती है। इस संकरे तथा जीर्ण पुल के चलते बड़ोदरा और सूरत के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण का मुख्य लक्ष्य विफल हो गया प्रतीत होता है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक सलाहकार समिति की नियुक्ति भी की है। जिसकी रिपोर्ट बहुत जल्दी ही तैयार की जाएगी, ऐसी हमें उम्मीद है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से संबंधित मंत्री महोदय से निवेदन करता हूं कि जाड़ेश्वर के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर नर्मदा नदी के उस पार एक विशाल पुल के निर्माण हेतु कार्य प्रारंभ किया जाए। इसको तुंत प्रारंभ किया जाए, ताकि यातायात में जो तकलीफ होती है, वह मुश्किल दूर हो सके।